प्रारंभिक भाषा और साक्षरता : एक झलक

प्रश्न पत्र – प्रथम

इकाई एक – भाषा क्या है

भाषा क्या है, भाषा के कार्य, भाषा और संप्रेषण , भाषा और विचार, भाषा और सीखना भाषा और अवधारणएँ, बच्चे और मौखिक भाषा, बोलचाल की भाषा और अकादमिक भाषा, बुनियादी पारस्परिक संप्रेषण कौशल (बिक्स) और संज्ञानात्मक अकादमिक भाषायी निपुणता (कैल्प) बिक्स और कैल्प भाषा कौशलों में अंतर, लिखित भाषा और मौखिक भाषा में अंतर

प्रश्न पत्र – प्रथम

इकाई दो – साक्षरता क्या है

साक्षरता क्या है, कक्षा 2 तक साक्षरता विकास, भाषा विकास के तीन घटक, मौखिक भाषा विकास, पढना किसे कहते है, लिखना क्या है, स्वतंत्र पाठक कौन होता है, भाषा शिक्षण को प्रभावित करने वाली अन्य परिस्थितियॉ

प्रारंभिक कक्षाओं में भाषा शिक्षण : एक समीक्षा

प्रश्न पत्र – द्वितीय

इकाई एक – कक्षा में भाषा शिक्षण की प्रचलित विधियॉ

बच्चो का कम बोलना : चुप्पी की संस्कृति, मौखिक भाषा विकास पर जोर नही, कक्षा में बातचीत के कुछ और पहलू, सामूहिक दोहरान : क्या वास्तव में पठन का काम हो रहा है, पढना सिखाने में अर्थ निर्माण पर बिल्कुल जोर नही : अर्थ समझे बिना पढना डिकोडिंग का अव्यवस्थित शिक्षण, लिखना केवल हस्लेखन अभ्यास और नकल करने के रूप मे, बच्चो का टाइम–ऑन–टास्क कम होना, कम टाइम–ऑन–टास्क के कारण, सक्रिय भागीदारी की कमी,

इकाई दो – शिक्षण–व्यवस्था संबंधी पहलू

केवल पाठ्यपुस्तक पर आधारित शिक्षण, पाठ्यपुस्तक में पाठो का स्तर बच्चो के स्तर से उॅचा, बच्चो की सरल और रोचक पठन सामग्री का अभाव, जो बच्चे पिछड रहे है, वे पिछडते चले जाते है।

इकाई तीन – प्रारंभिक कक्षाओं में विविधता

स्कूली भाषा और घर की भाषा में अंतर, बच्चों की भाषा स्कूली भाषा से अलग होने का असर, भाषायी विविधता, पाठ्यक्रम एव शिक्षण में भाषा संबंधी मान्यताएॅ, असाक्षर या अल्प–साक्षर घरों से आने वाले बच्चे, स्कूल से पढने और लिखने के अनुभव, बच्चो में विविधता का एक और मुद्दा, इस स्थिति को कैसे संभाले, सभी बच्चों के लिए बना है स्कूल नाम का यह संस्थान,

कक्षा – डी.ई.एल.टी.

सीखने–सीखाने के कुछ सिद्वांत और रणनीतियॉ

प्रश्न पत्र – तृतीय

इकाई एक – सीखना क्या है

सीखना क्या है, सीखना और सीखने की प्रक्रिया को समझना, सीखने के बारे में अभी तक की समझ, सीखने पर प्रभाव डालने वाले कारक

इकाई दो – सीखने–सीखाने के कुछ प्रमुख सिद्वांत और रणनीतियॉ

कक्षा को बच्चो की दुनिया से जोडना, बच्चो की दुनिया और पाठ्यचर्चा के शब्दों का आपस में कोई रिश्ता नही है, बच्चो के पूर्वज्ञान व अनुभव का इस्तेमाल, बच्चो के पूर्वज्ञान व अनुभव का इस्तेमाल, बच्चो के पूर्वज्ञान का शिक्षण में प्रयोग, बच्चे दूसरों से/ के साथ सीखते है। कक्षा के शिक्षण के लिए इसका अर्थ है, स्कैफोल्डिंग : सीखने में सहारा देना, स्कैफोल्डिग : कुछ नया सीखने के लिए जरूरत अनुसार सहारा/ मदद, स्कैफोल्डिग का शिक्षा में प्रयोग, सीखने की जिम्मेदारी क्रमशः बच्चों को सौपना/ जी.आर.आर. कक्षा में सोहार्दपूर्ण वातावरण, कक्षा में सौहार्दपूर्ण वातावरण कैसे बनाएँ, सीखने की प्रक्रिया में सभी बच्चों का जुडाव, बच्चो का जुडाव बढाने के लिए कुछ रणनीतियॉ, सोचने की प्रक्रिया के लिए मौके और प्रोत्साहन देना बच्चो में सोचने के कौशल की महत्ता, सोचने के कौशल का शिक्षण में प्रयोग, विस्तारित वार्तालाप की महत्ता, कक्षा में विस्तारित वार्तालाप बढाने के तरीके, सीखना–सीखना और सतत–आकलन, आकलन के बाद : फीडबैक और सुधार के लिए मदद बच्चो के अलग–अलग,

कक्षा – डी.ई.एल.टी.

प्रारंभिक कक्षाओ में संतुलित भाषा शिक्षण

प्रश्न पत्र – चतुर्थ

इकाई एक – संतुलित भाषा शिक्षण का आयाम

भाषा कैसे पढाई जाए, छो तरह की कक्षओं की झलक, भाषा शिक्षण के दो विपरीत दृष्टिकोण, नीचे से ऊपर की ओर केद्रित या डिकोडिग आधारित शिक्षण, ऊपर से नीचे की ओर केद्रित या अर्थ आधारित शिक्षण, पढने की प्रक्रिया असल में कैसी होती है, शब्दों को पहचानना, भाषायी समझ, कुशल पठन हेतु केवल डिकोडिग व शब्द–पहचान काफी नही शब्द पहचान और अर्थ निर्माण : प्रारंभिक कक्षाओं में भाषा शिक्षण के लिए निहितार्थ, क्या अर्थ निर्माण : सिखाया जा सकता है, संतुलित साक्षरता शिक्षण – फुटबाल प्रशिक्षण उपमा, संतुलित भाषा शिक्षण पद्धति, वर्तमान स्थिति कैसी है, क्या बदलाव लाना जरूरी है, किन गतिविधियों को जोडा जाए या और अधिक स्थान दिया जाए, कक्षा 1 समग्र भाषा और शब्द – पहचान का संतुलन, समग्र भाषा के अनुभव बच्चों को देना, भाषा शिक्षण में अंश आधारित तत्व, कक्षा– 1 समग्र से अंश और अंश से समग्र तक डिकोडिंग शिक्षण : संदर्भ कितना आवश्यक,?

इकाई दो – चार खंडो की रूपरेखा

संतुलित भाषा शिक्षण का चार खंडीय मॉडल, मौखिक बातचीत, पठन और लेखन एक साथ, कक्षा में चार खंडो की संतुलित पद्धति अपनाने के उदाहरण, भाषा कक्षा में चार खंडो की सामान्य रूपरेखा, एक व्यापक पद्धति की रूपरेखा, संतुलित या व्यापक पद्धति के कुछ अन्य आयाम

स्व– आकलन अनिवार्य पठन सामग्री

प्रथम, ऑगेनाइजेशन फॉर अर्ली लिट्रेसी प्रोमोशन (ओईएलपी), लिपि कार्यक्रम : क्वॉलिटी एजुकेशन सपोर्ट ट्रस्ट

कक्षा – डी.ई.एल.टी.

प्रारंभिक साक्षरता के बुनियादी कौशल : भाग–1

प्रश्न पत्र – पंचम

इकाई एक – बद्ध और मुक्त कौशल

उभरती साक्षरता, उभरती साक्षरता से पारंपरिक (अक्षर या चिन्ह– आधारित) साक्षरता की ओर, प्रिट – चेतना, लोगोग्राफिक (देखो और बोलों) पठन, अभिव्यक्ति के लिए शुरूआती अनगढ लेखन : चित्र बनाना और आडी–तिरछी लकीरें खीचना, साक्षरता के घटक कौशल, बद्ध व मुक्त कौशल, बद्ध कौशल, मुक्त कौशल, डिकोडिंग सीखने के लिए बुनियादी कौशल

इकाई – दो : प्रिंट– चेतना

प्रिट की चेतना क्या है प्रिट – चेतना के तत्व, प्रिट चेतना क्यो महत्वपूर्ण है, प्रिट'– चेतना विकसित करने के लिए रणनीतियॉ और गतिविधियॉ, बच्चो की प्रिंट की समझ का आकलन कैसे करें,

इकाई – तीन : ध्वनि– जागरूकता

ध्वनि जागरूकता क्या है, ध्वनि–जागरूकता का महत्व, ध्वनि– जागरूकता के कौशल किस क्रम में सिखाए जाएँ, ध्वनि– जागरूकता विकसित करने के लिए रणनीतियॉ और गतिविधियॉ, ध्वनि– जागरूकता का आकलन करना,

इकाई– चार : डिकोडिंग

कोडिग व डिकोडिंग, डिकोडिंग क्या है, भाषा का लिखित स्वरूप और डिकोडिंग सीखना, सुदृढ डिकोडिग क्षमता क्यों जरूरी है, डिकोडिंग सीखने की प्रकिया, डिकोडिंग शिक्षण की चरणवार गतिविधियॉ, वर्ण परिचम, अक्षर (वर्ण–मात्रा) परिचय, अक्षरों को जोडकर शब्द बनाना, शब्द पढने का अभ्यास, शब्द सतर गतिविधियॉ, विभिन्न प्रकार के खेलो से डिकोडिग का अभ्यास, डिकोडिग योग्य (डिकोडेबल) पाठ पढना, डिकोडिग शिक्षण के प्रस्तावित क्रम की विशेषताएँ डिकोडिंग सिखाने के लिए उपयोगी सामग्री, डिकोडिग का आकलन, बच्चों द्वारा की जाने वाली गलतियॉ और उनमें सुधार, डिकोडिंग का आकलन, डिकोडिग में की गई गलतियॉ और उनमें सुधार, डिकोडिग शिक्षण के कुछ सिद्धांत

कक्षा – डी.ई.एल.टी.

प्रारंभिक साक्षरता के बुनियादी कौशल : भाग–2

प्रश्न पत्र – षष्ठम्

इकाई – एक : मौखिक भाषा विकास

प्रारंभिक कक्षाओं में मौखिक भाषा की वर्तमान स्थिति, मौखिक भाषा विकास क्या है, मौखिक भाषा का विकास क्यों महत्वपूर्ण है, मौखिक भाषा विकसित करने के लिए रणनीतियॉ/ गतिविधियॉ, चित्रों पर बातचीत, अपने अनुभवों का वर्णन, कहानियॉ सुनाना और उन पर बातचीत करना, कहानी पढकर सुनाना और उस पर चर्चा, अभिनय औरा रोल प्ले, कक्षा में मौखिक भाषा को बढावा देने के लिए कुछ रणनीतियॉ, मौखिक भाषा विकास के लिए खेल, कहानी बनाना, वसतुओ/घटनाओं का अंदाजा लगाना, निदेश देना और निर्देशों का पालन करना, साक्षात्कार, समय के साथ मौखिक काम में प्रगति/बदलाव, मौखिक भाषा विकास का आकलन, मौखिक भाषा विकास का आकलन,

इकाई – दो : शब्दावली विकास

शब्दावली क्या होती है, शब्दावली विकास क्यों महत्वपूर्ण, शब्दावली विकास के कुछ आयाम, शब्दावली का विस्तार, शब्दों का स्तर, शब्दावली विकसित करने के लिए रणनीतियॉ और गतिविधियॉ, अनायास शब्दावली सीखना, बच्चों को खुद नए शब्द सीखना, बच्चों को खुद नए शब्द सीखने के तरीके सिखाना, जो बच्चे स्कूल में दाखिले के समय स्कूल की भाषा से परिचित नहीं होते उन्हे औपचारिक हिन्दी शब्दावली सिखाने के कुछ सिद्धांत,

इकाई – तीन : समझते और अर्थ–निर्माण करते हुए पढना

वर्तमान परिदृश्य, सुनकर समझना और पढकर समझना, पढकर समझने के स्तर, तथ्य आधारित समझ, अर्थ निर्माण, उच्चस्तरीय समझ, पढकर समझने की आधारशिलाऍ, पूर्वज्ञान और अवधारणात्मक ज्ञान, प्रवाहपूर्ण शब्द पहचान, शब्दावली, पढने की प्रेरणा, पढकर समझने की रणनीतियॉ, पाठ की प्रकृति